RAF SECTOR

NEWS CLIP

09/05/19

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Dainik Bhaskar (Rewa,MP)

स्ट्रांग रूम में कैद हो गया जनादेश, त्रिस्तरीय सुरक्षा

लोकसभा चुनाव : दो बसों के खराब होने से देरी से पहुंचे मतदान दल

23 प्रत्याशियों का ईवीएम में कैद जनादेश अब स्ट्रांग रूम में लॉक हो गया है। ईवीएम में तीन स्तर की सुरक्षा व्यवस्था लगाई गई है। स्ट्रांग रूम की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए दो एलईडी लगाई गई है, जिसे प्रत्याशी भी देख सकते हैं।

भास्कर न्यूज | रीवा

रीवा संसदीय क्षेत्र के शांतिपूर्ण मतदान के बाद देर रात तक मतदान दल ईव्हीएम आदि जमा करने पहुंचते रहे। जिले के सभी 2013 मतदान दल सुरक्षित वापस लौटे। त्योंथर विधानसभा क्षेत्र में मतदान के बाद दल को लेकर लौट रहे दो बसें रास्ते में खराब हो गई, जिसकी वजह से इन्हें आने में ज्यादा देरी हुई। एक बस बरदहा घाटी में और दूसरी बस लौआ में खराब हुई। यहां से रिजर्व बसों को भेजा गया, जिसमें मतदान दल पहुंचा। इस तरह अंतिम मतदान दल यहां रात ढाई बजे पहुंचा। ईव्हीएम जमा करने का काम तड़के चार बजे पूरा हुआ। ईव्हीएम को सुरक्षित स्ट्रांग रूम में रखने के बाद प्रत्याशियों और उनके अभ्यर्थियों की मौजूदगी में सुबह साढ़े छह बजे लॉक कर दिया गया। स्ट्रांग रूम में सीएपीएफ, एसएएफ और जिला बल को अलग-अलग प्वाइंट पर तैनात करते हुए त्रिस्तरीय सुरक्षा में ईव्हीएम को रखा गया है।

सुरक्षा की दृष्टि से विद्युत सप्लाई काटी

ईव्हीएम की सुरक्षा को लेकर हर सावधानी बरती जा रही है। गर्मी का मौसम होते ही वजह से शार्ट सर्किट की संभावना भी रहती है। इसे देखते हुए आयोग के निर्देशानुसार स्ट्रांग रूम की बिजली सप्लाई काट दी गई है। सप्लाई को अब मतगणना के दिन 23 मई की सुबह स्ट्रांग रूम खुलने के पहले शुरू किया जाएगा।

प्रेक्षक बोले- वेलडन

भारत निर्वाचन आयोग के प्रेक्षक एके राकेश इंजीनियरिंग कॉलेज में मौजूद रहे। उन्होंने यहां की पूरी व्यवस्थाओं को देखा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ओमप्रकाश श्रीवास्तव, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती इला तिवारी एवं एसपी आबिद खान सहित पूरी टीम को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव के लिए उन्होंने वेलडन कहा।

प्रत्याशी कर सकते हैं भ्रमण

चुनाव की पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए ऐसी व्यवस्था बनाई गई है कि प्रत्याशी स्ट्रांग रूम की गतिविधियों को देखने के लिए वहां का भ्रमण कर सकते हैं। इंजीनियरिंग कॉलेज में प्राचार्य कक्ष के समीप दो एलईडी लगाई गई है, जहां से स्ट्रांग रूम का पूरा नजारा देखा जा सकता है।

स्ट्रांग रूम में डबल लॉक

इंजीनियरिंग कॉलेज में आठ विधानसभा क्षेत्रों की ईव्हीएम रखने के लिए तीन अलग-अलग स्ट्रांग रूम बनाए गए हैं। एक स्ट्रांग रूम में रीवा, गुढ़ और मनगवां की ईव्हीएम को रखा गया है। जबकि दूसरे स्ट्रांग रूम में सेमरिया, सिरमौर और त्योंथर की ईव्हीएम है। तीसरे स्ट्रांग रूम में देवतालाब और मऊगंज की ईव्हीएम है। इन तीनों स्ट्रांग रूम में डबल लॉक है। स्ट्रांग रूम में अंदर लगे दरवाजे को सील कर दिया गया है। बाहर लगे गेट पर भी ताला लगाए गए हैं। जहां सीएपीएफ के जवान लगातार पहरेदारी कर रहे हैं।

Dainik Bhaskar (Satna,MP)

स्ट्रांग रूम में 16 दिन कैद रहेगा जनादेश

भास्कर न्यूज | सतना

लोकसभा चुनाव के लिए पूरे 2 माह चली निर्वाचन प्रक्रिया के अंगर्तत 6 मई को शांतिपूर्ण चुनाव के साथ ही यहां जिला मुख्यालय स्थित स्ट्रांग रूम में 21 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला 16 दिन के लिए कैद हो गया। मतों की गणना 23 मई यानि मतदान के 17 वें दिन सुबह 8 बजे से सख्त सुरक्षा प्रबंधों के बीच शुरू की जाएगी। उल्लेखनीय है, यहां लोकसभा निर्वाचन के पांचवे चरण की वोटिंग के लिए आदर्श आचार संहिता 6 मार्च को प्रभावी की गई थी।

सख्त सुरक्षा के 4 घेरे

इनर सर्किल में सीआरपीएफ

शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल व्यंकट-वन स्थित स्ट्रांग रूम के लिए 4 चक्र का सख्त सुरक्षा घेरा बनाया गया है। इनर सर्किल में सीआरपीएफ का एक प्लाटून तैनात किया गया है। इसके बाहरी (फ्रंट और रियर) और तीसरे चक्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी एसएएफ के जवानों को सौंपी गई है। जबकि व्यंकट-वन परिसर में सभी गेटों की कमान जिला पुलिस बल के जवानों को सौंपी गई है।

चित्रकूट और रैगांव के लिए एक-एक रूम

व्यंकट -वन स्कूल परिसर में ईवीएम और वीवीपैट की सुरक्षा के लिए 20 दृढ़ कक्ष बनाए गए हैं। चित्रकूट और रैगांव विधानसभा क्षेत्रों के लिए एक-एक और अमरपाटन, नागौद, रामपुरबाघेलान तथा मैहर के लिए 3-3 दृढ़ कक्ष आवंटित किए गए हैं। चुनाव आयोग के सामान्य प्रेक्षक संजय कुमार, जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर डा.सतेन्द्र सिंह, एसपी रियाज इकबाल, जिला पंचायत के सीईओ साकेत मालवीय, उप जिला निर्वाचन अधिकारी आईजे खलखो और एडिशनल एसपी गौतम सोलंकी की मौजूदगी में सभी दृढ़ कक्ष को सील करते हुए सख्त सुरक्षा पहरा बैठाया गया है।

कंट्रोल रूम से निगरानी कर सकेंगे प्रत्याशियों के प्रतिनिधि

यहां स्ट्रांग रूम में रखी गई ईवीएम और वीवीपैट पर नजर रखने के लिए प्रत्याशी अपने 2-2 प्रतिनिधियों को व्यंकट-वन स्थित कंट्रोल रूम में निगरानी के लिए बैठा सकते हैं। भाजपा,कांग्रेस और बसपा के प्रत्याशियों के इस आशय के आवेदनों को जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। बताया गया है कि स्ट्रांग रूम की सतत निगरानी के लिए 30 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी के मोबाइल के अलावा उनके कार्यालय, उप जिला निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय और व्यंकट-वन स्थित कंट्रोल रूम से भी जोड़ा गया है।

15 फीसदी से कम मतदान की समीक्षा

उधर, चुनाव आयोग के सामान्य प्रेक्षक संजय कुमार की और जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डा.सतेन्द्र सिंह की मौजूदगी में मंगलवार को संसदीय क्षेत्र के उन मतदान केंद्रों की विधानसभावार समीक्षा की गई, जिन मतदान केंद्रों में 15 प्रतिशत से कम मतदान हुआ है।

Patrika (Satna,MP)

सख्त सुरक्षा घेरे में स्ट्रांग रूम : अव्यवस्था के चलते परेशान हुआ मतदान दल

20 कमरों में जमा ईवीएम-वीवीपैट, प्रत्याशियों ने नजर रखने ताना तम्बू

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सतना. संसदीय क्षेत्र के लिए 6 मई को हुए मतदान के बाद इसी दिन रात से ईवीएम सहित मतदान सामग्री जमा होने का काम व्यंकट क्रमांक एक विद्यालय में प्रारंभ किया गया। यह काम 7 मई की सुबह 7 बजे तक जारी रहा। मैहर विधानसभा की ईवीएम सबसे अंत में जमा हो सकीं। इसके बाद इन्हें स्ट्रांग रूम में रखकर सीलबंद किया गया। सामग्री जमा होने के दौरान काफी अव्यवस्था देखने को मिली। मतदान दल सामग्री जमा करने को लेकर परेशान दिखे। इससे हो रहे विलंब को देखते हुए काफी संख्या में मतदान दल वहीं परिसर में सो भी गए। उधर इस बार सामग्री जमा करने में विलंब का कारण वीवीपैट की बैट्री बनी। काफी संख्या में वीवीपैट की बैट्री फंस जाने से मशीन से निकल नहीं रही थी। सामग्री जमा स्थल में बाद में इन्हें निकालने के लिए अलग केन्द्र बनाया गया। उधर इस दौरान यहां चिकित्सा दल भी नजर नहीं आया।

6 मई सोमवार को मतदान खत्म होने के साथ ही मतदान दलों का सामग्री जमा केंद्र व्यंकट क्रमांक एक में आना शुरू हो गया था। दूरदराज के क्षेत्रों के वाहन 11 बजे तक यहां पहुंचे। देर रात 2 बजे यहां मिले मतदान दल के कर्मचारियों ने कहा कि इस बार काफी अव्यवस्था हैं। पहले सामग्री जमा करने के लिये 50-50 पोलिंगवार काँउंटर बना दिए जाते थे। इससे ज्यादा भीड़ नहीं होती थी और काँउंटरों की संख्या भी ज्यादा होती थी। लेकिन इस बार काँउंटरों की संख्या कम कर दी गई और पोलिंग स्टेशन तय नहीं होने से सामग्री जमा करने में मारामारी की स्थिति बन गई। नतीजा यह रहा कि यहां अव्यवस्था का आलम बन गया। हालात तो यह रहे कि 3 बजे तक आधे से ज्यादा ईवीएम मशीनें जमा नहीं हो सकी थी। विलंब होता देख कई मतदान दल वहीं ईवीएम पर सिर रख कर सो भी गई।

हुई संवीक्षा: मतदान सामग्री जमा होने के बाद लगभग साढ़े 10 बजे से सीधे मतदान की संवीक्षा प्रारंभ की गई। इस दौरान ज्यादा और कम मतदान केंद्र की संवीक्षा जिला निर्वाचन अधिकारी और प्रेक्षक ने राजनीतिक दलों से की साथ ही उनसे पूछा गया कि इसमें किसी तरह की आपत्ति तो नहीं है। इसमें कोई आपत्ति नहीं होने पर इस प्रक्रिया को खत्म कर शांति पूर्ण मतदान होने पर सभी को शुभकामनाएं दी गई।

बनाए गए 20 स्ट्रांग रूम

ईवीएम को 20 स्ट्रांग रूमों में रखा गया है। इनमें विधानसभा क्षेत्र चित्रकूट की 1 कक्ष में, नागौद की 3 कक्षों में, अमरपाटन की 3 कक्षों में, रैगांव की 1 कक्ष में, सतना की 3 कक्षों में, रामपुर बाघेलान की 3 कक्षों में, मैहर की 3 कक्षों में ईवीएम-वीवीपैट मशीनें रखी गई है। दृढ़ कक्षों को राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों, भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त समान्य प्रेक्षक संजय कुमार, व्यय प्रेक्षक शौलजो चटर्जी, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सतेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक रियाज इकबाल, जिपं सीईओ साकेत मालवीय की उपस्थिति में सीलड किया गया। स्ट्रांग रूम प्रभारी उपखण्ड मजिस्ट्रेट रघुराजनगर एवं नगर पुलिस अधीक्षक सतना को नियुक्त किया गया है। नियुक्त स्ट्रांग रूम प्रभारी स्ट्रांग रूम में तैनात सुरक्षा अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर समय-समय पर निगरानी बनाए रखने एवं स्ट्रांग रूम की समान्य व्यवस्थाओं एवं कानून व्यवस्था के लिए उत्तरदायी होंगे।

जब कलेक्टर ने सोने वालों को उठवाया

4 बजे के लगभग स्थिति यह रही कि कई मतदान केंद्रों के मतदान दल अपनी सामग्री जमा न करते हुए मैदान में सो गए। जानकारी कलेक्टर को जब मिली तो उन्होंने इन मतदानकर्मियों को उठवाया और तत्काल सामग्री जमा करने के लिए कहा। सबसे अंत में मैहर की मतदान सामग्री जमा हुई। 7 बजे तक ईवीएम जमा होने के बाद सीलिंग प्रक्रिया प्रारंभ की गई। लेकिन इस दौरान तक अन्य सामग्री जमा करने का क्रम जारी रहा।

वीवीपैट ने रुलाया

इस बार लगभग आधा सैकड़ा से ज्यादा मतदान केंद्रों की वीवीपैट मशीनों की बैटरी जाम हो गईं। नियमानुसार वीवीपैट मशीनों को बैटरी निकाल कर स्ट्रांग रूम में रखा जाता है। ऐसे में मतदान दलों ने इसकी जानकारी इंजीनियरों को दी तो कहा गया कि सामग्री जमा स्थल में ही बैटरी निकाली जाएगी। ऐसे में यहां बैट्री निकलवाने लंबी लाइन लगी रही। व्यंकट 1 के मुख्य द्वार की ओर बैट्री को पेचकस के सहारे निकाला जा रहा था तो पीछे मैदान की ओर तांत के टेप से खींच कर निकाला जा रहा था।

कर्मचारियों ने खाने के प्रति जताई नाराजगी

सामग्री जमा होने के दिन वापसी कार्य में लगाए गए कर्मचारियों के भोजन के लिये बकायदे टेण्डर तय किया गया था। इसमें सतना टेंट हाउस का टेण्डर न्यूनतम पाय गया था। टेण्डर के अनुसार उसे 100 रुपये रोटी/पूड़ी, मटर पनीर, पुलाव, दाल, सलाद, अचार, मूंग की बर्फी शुद्ध घी की, मिक्स वेज का मीनू तय किया गया था। लेकिन इसमें बड़ा खेल किया गया। टेंट हाउस वाले ने दो तरह के भोजन पैकेट तैयार किए। इसमें अधिकारियों और कंट्रोल रूम में जो भोजन के पैकेट भेजे गए वह अलग तरह के रहे और उसमें मीनू का काफी कुछ पालन दिखा। लेकिन अन्य कर्मचारियों ने लिये साधारण भोजन के पैकेट भेज दिए गए। जिसमें पूड़ी सब्जी और एक बर्फी डाल कर दे दिया गया था। कर्मचारियों ने इस पर आपत्ति भी जाहिर की लेकिन अफसरों ने इसे नजर अंदाज कर दिया।

नशे में धुत रहे पीठासीन अधिकारी

सामग्री जमा स्थल में कुछ शासकीय सेवक अपने मदिरा प्रेम को नहीं छोड़ सके। यहां भी मौका देखकर शराब पीने से नहीं चूके। सोहाल क्षेत्र के निवासी रामपुर जनपद में पीसीओ को इस बार पीठासीन अधिकारी बनाया गया था। लेकिन वे 2 बजे के लगभग नशे में पूरी तरह से धुत नजर आए। पानी टैंकर के बगल में अपनी मतदान सामग्री रख बड़बड़ाते दिखे। ऐसे ही कुछ अन्य लोग भी नशे में दिखे। 3.15 बजे व्यंकट 1 मुख्य द्वार के एक कोने में कुछ मतदानकर्मी दीवार की ओट में शराब पीते दिखे।

सेक्टर ऑफिसर्स भी हुए परेशान

सामग्री जमा स्थल पर पहुंचे सेक्टर ऑफिसरों ने भी अव्यवस्था की बात कही। इन्होंने कहा कि इस बार सेक्टर ऑफिसर्स के बैठने की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। इससे परेशानी की स्थिति हो रही है। हालांकि यह भी देखा गया कि कुछ सेक्टर ऑफीसर अपनी सामग्री संयुक्त कलेक्ट्रेट स्थित बेयर हाउस में जमाकर अपने घर चले गए। उनके मतदान दलों की सामग्री जमा हो जाती तो मोबाइल से ही ओके रिपोर्ट ले रहे थे।

Rewa Patrika (Rewa,MP)

सुबह छह बजे तक रखी गईं इवीएम मशीनें

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रीवा. लोकसभा चुनाव के बाद इवीएम-वीवीपैट मशीनें कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रांगरूम में रखी गई हैं। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में बनाए गए स्ट्रांगरूम में सोमवार शाम मशीनों को जमा करने की प्रक्रिया शुरू हुई। मशीनों को जमा करने का सिलसिला मंगलवार सुबह छह बजे तक चला। प्रमुख राजनीति दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सुबह आठ बजे स्ट्रांगरूम को सील करने की प्रक्रिया पूरी की गई।

इंजीनियरिंग कॉलेज के स्ट्रांगरूम में रीवा संसदीय चुनाव क्षेत्र के आठ विधानसभा क्षेत्र में उपयोग की गईं इवीएम व वीपीपैट मशीनों को रखने की प्रक्रिया सोमवार शाम मतदान खत्म होने के बाद शुरू की गई। आधी रात के बाद दो बजे तक पोलिंग पार्टियां पहुंचीं। चुनाव सामग्री का मिलान कर स्ट्रांगरूम में जमा कराने अफसरों का पसीना छूट गया।

प्रमुख राजनीति दलों के प्रतिनिधियों के साथ अधिकारियों ने मशीनों का सत्यापन किया। इसके बाद स्ट्रांगरूम को सील करने की प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान कांग्रेस प्रत्याशी के इलेक्शन एजेंट हिमांशु शुक्ला, बसपा प्रत्याशी विकास पटेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। भाजपा के प्रतिनिधियों का इंतजार किया गया, नहीं आने पर जिला निर्वाचन अधिकारी ओपी श्रीवास्तव ने भाजपा प्रत्याशी को फोन से बात की और आने का आग्रह किया गया। इसके बाद भी मौके पर कोई नहीं पहुंचा।

12 घंटे तक मशीनों को जमा करने चला काम

इंजीनियरिंग कॉलेज में आठ विधानसभा क्षेत्रों की चुनाव सामगी के लिए स्ट्रांगरूम बनाया गया है। सोमवार की शाम मशीनों को जमा करने के लिए पोलिंग पार्टियां सात बजे पहुंचने लगीं। सबसे पहले रीवा, गुढ़ विधानसभा क्षेत्र का मतदान दल मशीनों को लेकर स्ट्रांगरूम पहुंचा, जबकि मनगवां, त्योंथर और मऊगंज की इवीएम व वीवीपैट मशीनें सबसे बाद में जमा की गईं। 50 फीसदी पोलिंग पार्टियां 12 बजे रात तक पहुंच गईं थी, जबकि आधी रात के बाद करीब ढाई बजे तक पोलिंग पार्टियों के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। मशीनें जमा करने की प्रक्रिया मंगलवार सुबह छह बजे तक चली। पूरी रात कलेक्टर ओपी श्रीवास्तव, पुलिस अधीक्षक आबिद खान सहित आरओ और एआरओ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पांच कमरे में बनाए आठ स्ट्रांगरूम

जिले के आठ विधानसभा में 2013 बूथ हैं। सभी आठ विधानसभा की मशीनें स्ट्रांगरूम के पांच कमरे में रखी गई हैं। उदाहरण देवतालाब और मऊगंज के लिए एक कमरे में दो पार्टकर स्ट्रांगरूम में बनाया गया है। इसी तरह आठ विधानसभा के लिए पांच कमरे में दो-दो भाग कर स्ट्रांगरूम में मशीनों को रखा गया।

वीवीपैट मशीनों की बैट्री निकालने छूटा पसीना

लोकसभा चुनाव में उपयोग की गईं वीवीपैट मशीनों की बैट्री निकालने में जिम्मेदारों का पसीना छूट गया। कर्मचारियों ने बताया कि वीवीपैट की बैट्री निकालने से कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन, इवीएम की बैट्री निकालने के बाद मशीन बदलना पड़ता है। इसलिए इवीएम की बैट्री लगी हुई है और वीवीपैट की बैट्री निकाल दी गई हैं।

सीआरपीएफ-एसएफ के हवाले इवीएम की सुरक्षा

रीवा @ पत्रिका. शासकीय इंजीनियरिंग कालेज में बनाए गए स्ट्रांगरूम के आस-पास परिंदा पर नहीं मार पाएगा। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के साथ ही निगहबानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इवीएम मशीनों की सुरक्षा के लिए तीन चक्र में फोर्स लगाई गई है। सीआरपीएफ, एसएफ और क्षेत्रीय पुलिस का पहरा रहेगा। इसके अलावा स्ट्रांगरूम के दरवाजे पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। पांचों कमरे के सीसीटीवी कैमरे का डिस्प्ले इंजीनियरिंग कालेज के गेट पर किया जा रहा है। मंगलवार की सुबह आठ बजे स्ट्रांगरूम लॉक खोने के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी ओपी श्रीवास्तव ने प्रमुख राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों और इलेक्शन एजेंट को सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि स्ट्रांगरूम की सुरक्षा के लिए तीन प्रकार की फोर्स लगाई गई है। स्ट्रांगरूम के मुख्य गेट पर सीआरपीएफ, दूसरे राउंड पर एसएफ और तीसरे पर स्थानीय पुलिस को सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गईहै। इसके अलावा किसी भी उम्मीदवार का प्रतिनिधि परिसर में रहकर निगरानी कर सकता है। इस दौरान कांग्रेस उम्मीदार सिद्धार्थ तिवारी और उनके इलेक्शन एजेंट हिमांशु शुक्ल ने जिला निर्वाचन अधिकारी को बताया एक एलइडी का डिस्प्ले बंद होना बताया है जिला निर्वाचन अधिकारी ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी को आश्वस्त कराया।कांग्रेस पार्टी के इलेक्शन एजेंट हिमांशु ने जिला निर्वाचन अधिकारी को स्ट्रांगरूम परिसर में निजी सुरक्षा के लिए अवगत करया गया है।इलेक्शन एजेंट के अनुसार कांग्रेस की ओर से सुरक्षा के लिए हर छह-छह घंटे पर पहरेदार रखे गए हैं। इसी तरह बसपा के विकास पटेल ने भी स्ट्रांगरूम की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की है।इन दलों के अलावा अन्य छोटे दल भी सुरक्षा को लेकर चर्चा कर रहे हैं।

कांग्रेसी सुरक्षा को लेकर उठा चुके हैं सवाल : इवीएम की सुरक्षा को लेकर विस चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार सवाल उठा चुके हैं। रीवा विधानसभा के प्रत्याशी रहे अभय मिश्र सहित कांग्रेस के अन्य उम्मीदवारों ने तत्कालीन जिला निर्वाचन अधिकारी प्रीति मैथिल सहित चुनाव आयोग को पत्र देकर सुरक्षा की गुहार लगाई थी।तत्कालीन उम्मीदवारों ने भाजपा सरकार पर इवीएम में गड़बड़ी कराने का आरोप लगाते हुए स्ट्रांगरूम परिसर में निजी सुरक्षा व्यवस्था की थी। सुरक्षा को लेकर तत्कालीन कलेक्टर प्रीति मैथिल का एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें वह सुरक्षा की पुख्ता इंतजाम का तर्कदेते हुए सुरक्षा कर्मियों को निर्देश दे रहीं थींकि स्ट्रांगरूम के आस-पास कोई दिखे तो गोली मार देना। कलेक्टर का यह वीडिया सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहा।

जिला निर्वाचन अधिकारी सुबह-शाम करेंगे निरीक्षण : जिला निर्वाचन अधिकारी स्ट्रांगरूम का प्रतिदिन सुबह-शाम निरीक्षण करेंगे। इस दौरान उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों को साथ में रहने की अनुमति दी गई है।

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।